अध्याय
10

अनेकार्थी/अनेकार्थक शब्द

एक से अधिक अर्थ वाले शब्द **अनेकार्थी या अनेकार्थक** शब्द कहलाते हैं। उदाहरण के लिये एक शब्द '**अंकुश**' लें और इसके एक से अधिक अर्थों को देखें, जैसे- **नियंत्रण, दबाव, हाथी को चलाने-रोकने के लिये लघु लौह-उपकरण** आदि। अब इन शब्दों के वाक्य प्रयोग पर ध्यान दें-

- आवारा बेटे माता-पिता के **अंकुश** से बाहर होते हैं। **(नियंत्रण)**
- महावत (हाथी-चालक) बिना **अंकुश** के सुरक्षित हाथी की सवारी नहीं कर सकता। **(लौह उपकरण)**
- जागरूक जनता के **अंकुश** से ऑफिस-कर्मचारी समय पर कार्य-निष्पादन कर रहे हैं **(दबाव)।**

इन वाक्यों को देखने पर हमें ज्ञात होता है कि किस प्रकार एक शब्द 'अंकुश' का प्रयोग अनेक अर्थों में किया गया है तथा इन सब वाक्यों में अर्थ की दृष्टि से कोई अस्पष्टता भी नहीं है। वस्तुत: अनेकार्थी या अनेकार्थक शब्द की यही प्रमुख विशेषता है तथा इसी कारण इसकी स्वीकार्यता किसी खास प्रकार के संदेह से रहित है। अच्छे तथा गुणवत्तापूर्ण लेखन और वाचन (वार्ता) में अनेकार्थी या अनेकार्थक शब्दों की प्रयुक्तता स्वाभाविक रूप से अपेक्षित है।

परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण शब्द एवं संबंधित अनेकार्थी/अनेकार्थक शब्द

'अ' वर्ण से संबंधित

शब्द	अनेकार्थी/अनेकार्थक शब्द
अंक	गिनती की संख्या, गोद, पत्र-पत्रिका का नंबर, नाटक का अध्याय
अंकुश	नियंत्रण, दबाव, हाथी को चलाने-रोकने का लघु लौह-उपकरण
अंकोर	कलेवा, गोद, दुपहरी, भेंट, रिश्वत
अंग	अंश, शरीर का कोई अवयव, शाखा, टुकड़ा, पक्ष, भेद
अंचल	शासन-इकाई (प्रादेशिक), साड़ी का पल्लू, सिरा, छोर
अंत	मृत्यु, समाप्ति, भेद/रहस्य, सिरा
अंतरंग	आंतरिक, गुप्त, घनिष्ठ
अंतर	भिन्नता, दूरी, फर्क, अंत:करण, मध्यवर्ती समय
अंब	आम का वृक्ष, आम का फल, माता, दुर्गा
अंबक	आँख, तांबा, पिता
अंबर	आकाश, बादल, वस्त्र
अंबुज	कमल, बेंत, ब्रह्मा, वज्र, शंख
अंभोज	मोती, कमल, सारस, चाँद
अकड़ना	टेढ़ा होना, घमंड करना, दुराग्रह करना
अर्क	सूर्य, इंद्र, काढ़ा, स्फटिक, मदार का पौधा
अथ	आगे, अगुवा, सिरा, श्रेष्ठ, शिखर, नोक, पहले, मुख्य
अग्नि	आग, पिंगल, मात्रा, कौशल, वृद्धि, जिह्वा, विभूति, तेज, लीला, वर्णवृत्त
अड्डा	ठिकाना, चौखट/चौखटा, कबूतर-खोप (घर)
अच्युत	अविनाशी, स्थिर, कृष्ण, विष्णु
अज	बकरा, ब्रह्मा-विष्णु-महेश, जीव, मेष राशि
अजया	बकरी, भाँग (एक मादक वनस्पति)